कार्यालय प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय,कोटा (राज.)

Email address principalgckota@gmail.com,

दिनांक 20.10.2023

कार्यालय रिपोर्ट

प्राणीशास्त्र विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी

आज दिनांक 20.10.2023 प्राणीशास्त्र विभाग में विभिन्न भ्रमर, मधुमक्खी समकक्ष कीट की जैव विविधता तथा वर्गीकी विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विषय पर प्रयागराज से डॉ. जगदीश सैनी, एसिस्टेन्ट प्रोफेसर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इलाहबाद ने विषयवस्तु पर विस्तार से प्रतिभागियों को भारत विभिन्न प्रदेशो की कीट जैव विविधता का परिचय करवाया। प्राचार्य प्रो. प्रतिमा श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुये कहा कि विश्व में 20 हजार प्रजातिया पाई जाती है किन्तु भारत में अभी तक केवल 800 प्रजातियों की जानकारी मिली है। अतः इस विषय पर शोध की अपार सम्भावना है। प्रो. अरुण कुमार ने शोध प्रक्रिया में के महत्व को समझाया कि किस प्रकार जैव विविधता की भी बार कोडिंग की जा रही है। जिससे विश्व में किसी भी स्थान पर जीव विशेष की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा, ने कीटो का पर्यावरण में महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुब्रत शर्मा, संयोजन डॉ. गजानन चर्पे तथा अन्त में धन्यवाद प्रो. कुसुम डंग ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अन्जु कपूर, प्रो. हरिश गौत्तम, प्रो. नीरजा श्रीवास्तव, प्रो. मनीष गौड, प्रो. मीनाक्षी मंयगर, प्रो. राजेन्द्र सिंह राजावत, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा से प्रो. सन्दीप हुडा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

20/10/2023

प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय,
कोटा

Press Note

जैव विविधता तथा वर्गीकी विषय पर राजकीय महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

संदेश न्यूज। कोटा. प्राणीशास्त्र विभाग में विभिन्न भ्रमर, मधुमक्खी समकक्ष कीट की जैव विविधता तथा वगीकीं विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस विषय पर प्रयागराज से डॉ. जगदीश सैनी, एसिस्टेन्ट प्रोफेसर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, इलाहबाद ने विषयवस्तु पर विस्तार से प्रतिभागियों को भारत विभिन्न प्रदेशों की कीट जैव विविधता का परिचय करवाया। प्राचार्य प्रो. प्रतिमा श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा कि विश्व में 20 हजार प्रजातियां पाई जाती है किन्तु भारत में अभी तक केवल 800 प्रजातियों की जानकारी मिली है। इस विषय पर शोध की अपार सम्भावना है। प्रो. अरुण कुमार ने शोध प्रक्रिया के महत्व को समझाया कि किस प्रकार जैव विविधता की भी बार कोडिंग की जा रही है, जिससे विश्व में किसी भी स्थान पर जीव विशेष की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जा सकती है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सुरभि श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष डॉ. नेहा, ने कीटो का पर्यावरण में महत्व बताया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सुब्रत शर्मा, संयोजन डॉ. गजानन चर्पे तथा अन्त में धन्यवाद प्रो. कुसुम डंग ने ज्ञापित किया। कार्यक्रम के आयोजन में डॉ. अन्जु कपूर, प्रो. हरिश गौत्तम, प्रो. नीरजा श्रीवास्तव, प्रो. मनीष गौड, प्रो. मीनाक्षी मंयगर, प्रो. राजेन्द्र सिंह राजावत, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा से प्रो. सन्दीप हुडा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

चम्बल सन्देश, समाचार पत्र, 21/10/23